वैद्यक शब्द कोष



लेखक व प्रकाशक—

चिकित्सक पं० विश्वेश्वरदयालुजी वैद्यराज

सम्पादक अनुभूत योगमाला पाक्षिक पत्रिका

बरालोकपुर, इटावा यू० पी०

द्वितीयबार १०००   सन् १९३१ ई०   मूल्य ।) आना

पं० विश्वेश्वरदयालुजी के प्रबन्ध से

श्रीहरिहर प्रेस बरालोकपुर, इटावा में मुद्रित।

प्रकाशक की प्रार्थना।

इस समय मनुष्यों की आयु और बुद्धि बहुत थोड़ी है इसीलिये समस्त ऋषि-प्रणीतग्रन्थों का कण्ठस्त रखना सम्भव नहीं है, ऐसी दशा में जब निघंटुक्त शब्दौ का कहीं अप्रचलित शब्द श्लोक में आ जाता है तो विद्वानौ को अवाक् रह जाना पड़ता है और बहुत परि-श्रम से उसका पता लगाना पड़ता है, कभी २ पता नहीं भी मिलता है इस कठिनता को दूर करनेके लिये मैं बहुत परिचिन्तित था किंतु अकारादिक्रम से शब्दों का कोष तैयार करने से वह असुविधा दूर हो गई, यद्यपि ऐसा करने में हमें बहुत श्रम और खर्च करना पड़ा था और पुस्तक भी इतनी बड़ीं बन गई कि हम एकदम उसके छपाने से झिझक उठे इसीलिये उस प्रति को जो १२ निघंटु ग्रन्थों की खोज से लिखी गई थी स्थगित कर सिर्फ एक निघंटु के आधार पर नमूना स्वरूप केवल काष्टौषधि शब्द प्रकाशित कर यह देखने की इच्छा हुई कि देखें इसमें कितना लाभ होता है और ऐसे कोष की कितनी मांग होती है क्या २ इसमें और बढ़ाने से यह विशेष उपकारी हो सकता है कुछ मेरी अल्पमति एवं प्रेस कर्मचारियों की असावधानी से इसमें कुछ भेद पड़ जाना निहायत सम्भव है। विद्वजन उसे सँभाल कर मुझे सूचित कर दें, ताकि तृतीय संस्करण में मैं उसे ठीक कर सकुं आशा है कि सब प्रकार से मेरे उत्साह को बढ़ावेंगे ताकि तीसरा पूर्ण कोष काष्टौषधि एवं धातु औषधि-शब्दयुक्त "वैद्यक शब्द कोष" को प्रकाशित करके शीघ्र से शीघ्र इस कमी को पूरा करने में मैं समर्थ होऊं—यदि इसमें कुछ भी लाभ विद्वानों व विद्यार्थियों को हुआ तो मैं अपने श्रम को सफल समझूंगा।

विदुषांविनीतः

वैद्यराजः

निधाय विश्वेशपदाम्बुजंहृदि विधायविन्ध्येश्वरिपादपंकजम् ।
विलिख्य विश्वेश्वर वैद्यशास्त्रिणा प्रकाशते वैद्यक शब्द कोषकः ॥१॥
समस्तशास्त्राम्बुधिवीचिसंचितान्ननेकशस्संस्कृतशब्दमौक्तिकान् ।
विचीयमानेन मयाप्रकाशितो हितायतेषां खलु रोगहारिणाम् ॥२॥

अ

अंकोटः पु० अंकोल, ढेरा
अकोलः " "
अक्षः " बहेरा
अक्षीरं नपु० समुद्रमोक
अक्षीवः पु० सहिंजना
अंगारकः " घमरा, कलिहारी, पलास पुष्प.
अंगारवल्ली स्त्री० भारंगी
अग्निकः पु० भिलावा
अग्निमुखी स्त्री० "
अग्निमंथ पु० इरणी
अग्निसंस्पर्शा स्त्री० पर्पटी, सुगंधद्रव्य-उत्तरदेशे
अग्निशिखा " "
अगुरं न० अगर
अंजनकेशी स्त्री० नीलका, नाड़ीशाक
अजमोदा स्त्री अजमोद
अजमोदिका " "
अजरा स्त्री० कपिकच्छू (दौंदिया)
अजश्रंगका " मेढ़ासिंगी
अजश्रृंगी " काकड़ासिंगी
अजाजी " सफेदजीरा कालाजीरा
अटरूषकः पु० अरूसा
अतितपस्त्रनी स्त्री० संभालू, निर्गुन्डी
अतिबला " ककहिया
अतिरुहा " रोहिणी, कपिकच्छू
अतिलम्बी " सौंफ
अतिविषा " अतीस
अदण्डवः पु० सफेदएरंड
अधःशल्यः " चिरचिरा
अनलः " चित्रक (चीता)
अन्धकः " तुम्बुरु (तेजबलके बीज)
अनार्यकः " अगर

अनन्ता	स्त्री० धमासा (यवासा)
अपराजिता	" अपराजिता (विष्णुक्रांता)
अपामार्गः	" चिरचिरा
अभ्रमूलकः	पु० पटेरा यह जलमें होता है
अभया	स्त्री० हरड़ (हर्र)
अभ्रपुष्पं	न० वेतस (वेत)
अमरवल्ली	स्त्री० अमरबेल, वृक्षों पर पीले तारसे होते हैं
अमृतवल्लरी	" गुर्च, गिलोय
अमृता	" गुर्च, गिलोय, हर्र, आंवला
अमृणालं	नपु० उशीर, लामज्जक
अमोधा	स्त्री० वायविडंग
अम्बष्टा	" पाठा
अम्बष्टकी	" "
अम्बुजः	पु० हिज्जल, निचुल
अम्बालिका	स्त्री० माचिका
अम्बिका	" "
अम्बुनामकं	नपुं० सुगन्धवाला
अरलुः	पु० सोनापाठा
अरिष्टः	" लहसन, नींवरीठा
अरुणा	स्त्री० मजीठ, अतीस
अरुष्कः	पु० भिलावा
अरुष्करः	पु० भिलावा
अर्कपर्णः	" रक्त आक
अर्कपर्णी	स्त्री० बृहद्दन्ती
अर्धिकर्णिका	" महाशतावरी
अर्द्धचन्द्रा	" कालानिशोथ
अर्द्धतिक्तः	पु० चिरायता
अलर्कः	" सफेद आक
अलंबुषा	स्त्री० मुंडी, तरोई
अलिवल्लभा	स्त्री० पीली पाढ घंटापारूल
अवदाहकः	पु० लामज्जक, उशीर
अवल्गुजः	" बाकुची
अब्धिकफः	" समुद्रनोंन, समुद्रफेन
अव्यथा	स्त्री० हर्र, निर्गुन्डी
अशोका	" कुटकी
अश्मघ्नः	पु० गेरू, पाषाणभेद
अश्मन्तकः	" रक्तकचनार अम्लोणिका
अश्वगंधा	स्त्री० असगंध
अश्वत्थफला	" हाऊबेर
अश्वमारकः	पु० कंडेल, करवीर
अस्थिश्रंगला	" हस्तिचिंघारी
अस्थिसंहारकः	पु० हरसिंगार
अस्थिसंहारी	स्त्री० "
अहिपर्णी	" पृष्ठपर्णी
अहिफेनकं	नपु० अफीम

अहिफेन	”	अफीम
आकाशी	स्त्री०	अमरबेल
आखुकर्णी	”	बड़ीदंती मूषाकर्णी
आटरुषः	”	अरूसा
आत्मगुप्ता	स्त्री०	कपिकच्छू (दौंदिया)
आर्द्रकं	नपु०	अदरक
आर्द्रिका	स्त्री०	”
आफूकं	नपु०	अफीम
आमलकं	”	आमला
आम्रगंधा	स्त्री०	कपूरहल्दी
आमरण्डं	पु०	सफेद अंड
आरग्वधः	”	अमलतास
आरेवतः	”	”
आसुरम्	नपु०	सोचरनौंन
आस्फोता	स्त्री०	विष्नुक्रांता

इ

इदंयलिका	स्त्री०	कास
इक्षुगंधा	”	विदारीकंद तालमखाना
इक्षुगंधिका	”	गुखरू
इक्षुरः	पु०	तालमखाना
इक्षुरसः	”	कांस
इक्षुवालिका	स्त्री०	तालमखाना
इज्जलः	पु०	समुद्रफल
इन्दीवरी	स्त्री०	शितावर कमल
इन्द्रः	पु०	कुड़ा कुरैया
इन्द्रयव	नपु०	इन्द्र जौ
इन्द्रवारुणी	स्त्री०	इन्द्रायन
इष्टकापथं	नपु०	लामज्जक छुईमुई

उ

उग्रगंधः	पु०	लहसन
उग्रगंधा	स्त्री०	अजवाइन, वच, कुलिंजन
उग्रा	”	वच
उत्कटं	नपु०	तेजपात
उत्तानपत्रकः	पु०	लाल अरण्ड
उत्पलं	नपु०	कमल
उदकीर्य्यः	पु०	कंजी
उद्गारशोधनः	”	कालाजीरा
उदीच्यं	नपु०	सुगन्धबाला
उदुम्बरपर्णी	स्त्री०	लघुदन्ती
उन्मत्तः	” पु०	धतूरा
उपकलिक	स्त्री०	काला जीरा
उपकुञ्चिका	”	कलौंजी, इलायची छोटी
उपकुञ्ची	”	कलौजी
उपचित्रा	”	बड़ी दंती
उपविषा	”	अतीस
उरच्छः	पु०	पटेरा
उरबूकः	”	रक्त अंड
उष्णा	स्त्री०	पीपर

ऊ

ऊषणं	नपु०	पीपर, सोंठ पीपरामूर, चीता

ऋ

ऋषभः	पु० ऋषभक
ऋष्यः	" ककहिया
ऋष्यप्रोक्ता	स्त्री महाशितावरी

ए

एकाष्ठीला	स्त्री० पाठा
एडगजः	पु० चक्रमर्द पमाडबीज
एरका	स्त्री मैंथी तृण
एरएडबः	पु० सफेद एरंड
एरएड़फला	स्त्री दन्ती छोटी
एलबालुकं	नपु० ककोल समान कुष्ट गंध
एला	स्त्री० छोटी इलायची
एलापर्णी	रास्ना
एलालुः	पु० बायुकाख्य गंध द्रव्य

ऐ

ऐन्द्री	स्त्री० इन्द्रवारुणी

ओ

ओदनिका	स्त्री० वरियारा
ओदनाव्हया	" "

औ

औद्भिदं	नपु० रेहनमक

नोटः—समाप्तं स्वरादि वर्गम्

क

ककन्तिका	स्त्री० ककहिया
ककुन्दनी	" मालककुनी
कच्छुरा	" धमासा (यवासा
कंगुनी	" मालककुनी
कटुफलः	पु० कैफरा
कटुभी	स्त्री० माल ककुनी
कटुपर्णी	" चोक लकड़ी
कटुम्भरा	" कुटकी
कटुरोहिणी	" "
कटुभद्रम्	नपु० सोंठ
कटुत्रिकम्	" सोंठ, मिर्च पीपर
कट्वी	स्त्री० कुटकी
कठिल्लकः	पु० करेला, लाल पुनर्नवा
कटं कटेरी	स्त्री दारु हल्दी
कट्वङ्ग	पु० सोनापाठी
कएटकिनी	स्त्री० भटकटैया
कंटकारी	" "
कंठालिका	" "
किएही	" चिरचिरा
कएडुरा	" दोदिया बीज कौंच बीज
कदंवपुष्पिका	" निर्गुएडी
कन्या	" श्वेतसारिवा, ग्वार पाठा, बाभूखसा

कनकाह्वयः	पु० धतूरा	कर्पूरः	पु० कपूर
कपालकं	नपु० सरहरी गंडिनी	कर्पूरा	स्त्री कपूर हल्दी
कपिवल्ली	स्त्री० गजपीपर	कर्षफल	त्रि० बहेरा
कपितैलं	नपु० शिलारस, शिलाजीत	करभंजिका	स्त्री कंजो
कपिनामकं	" "	करवीरः	पु० कड़ैल, श्वेत
कपिलच्छाया	स्त्री० कस्तूरी	करंजः	" कंज
कपित्थ	नपु० एलवालुक, कैथ	करंजी	स्त्री० कंजी
		कलघंटीका	" रक्तसारिवा
कपिकच्छुः	पु० दोंदिया बीज	कलशी	" पृष्टपर्णी
		कल्पकः	पु० मेदाकचूर
कपिवल्ली	स्त्री० चिरचिरा	कवरी	स्त्री० हिंगुपत्री
कपिल्लकः	पु० रक्तपुनर्नवा	कवच नामक	पु० पित्तपापरा
कपिला	स्त्री० रेणुका बीज	कषाया	स्त्री० धमासा (यवासा)
कपोत चरणा	" नलिका	काकजंघा	स्त्री काकजंघा
कपीतकं	नपुः दारुहल्दी	काकतिक्ता	" "
कुमारी	स्त्री० ग्वार पाठा	काकतुण्डफला	" कन्नाटेरों का-कनासा
करहाटकः	पु० मैनफल		
कर्कशः	" कवीला	काकनासा	" कन्नाटेरों
कर्णिकार	स्त्री० अमलतास	काकपीलुः	पु० रक्तगुञ्जा
		काकमाची	स्त्री० काली-मकोई
कर्कटशृंगी	" काकड़ासिंगी		
कर्कटाख्या	पु० "	काकचिंची	" रक्तगुञ्जा
कर्कटी	स्त्री० देवदाली	काकबल्लरी	" स्वर्णबल्ली
कचूरः	पु० कचूर	काकपर्णी	" मूंगपर्णी

काकमुद्गा " "
काका " काकजंघा
काकाङ्गी " कन्नाटेरोघास
काकादनी " रक्तगुञ्जा
काकानन्ती " "
काकायु " स्वर्णबल्ली
काकाह्वा " काकमाची
काकेच्छुः पु० तालमखाना
काखोली स्त्री० अजमोद
कांचनखः पु० श्वेत कचनार
कांचनारः " "
काचनाऽह्वय " नागकेशर
कांचनी स्त्री० हल्दी
कांड तिक्त पु० चिरायता
काण्डरुहा स्त्री० कुटकी
काण्डेक्षुः पु० तालमखाना
कान्ता स्त्री० प्रियङ्गमालककुनी
काम्भोजी " उदरपर्णी
कम्पिल्लः पु० कवीला
कायस्था स्त्री० हर्र
कार्पासी " कपासी
कालदोला " नील
कालकेशी " "
कालकेषिका " कालानिशोथ, मजीठ
कालस्थली " पीली पाढ
कालानुसार्य्यकं नपु० भूरछरीला, तगर
कालसारं " पीलाचन्दन
कालानुसार्य्यं, तगर
कालीयँ " पीलाचन्दन
कालीयकं " "
काला स्त्री० मजीठ
कालाजाजी " कलौंजी
कार्मुकः पु० बकायन
कारवी स्त्री० कलोजी, सौंफ, चन्द्रसूर
कालिंग नपु० इन्द्रजौ, कुड़ा की छाल
कालीयकः पु० दारुहल्दी
कालेयकः " "
कालमेषी स्त्री० बाकुची
काश्मरी नपुः पोहकरमूल कुंकुम
काश्मरी स्त्री कस्तूरी, गंभारी
काशेक्षुः पु० कांस
काशः " "
काशमरी स्त्री० गभारी खंभारि
काशमर्य्यः पु० गंभारी
काष्ठपाटला स्त्री० स्वर्णपाटला
कितवः पु० भटेइरग्रन्थपर्ण भेद
किरातः " चिरायता
किरातकः " "
कूलीतकं नपु० मोरेठी

कलीतनकँ " "	कुबेराक्षी " पीलीपाठ
कज्ञातका स्त्री० नील	कस्तालू पु० गूगर
कीटः पु० कुढा	कुटन्नटँ नपुं० कैवर्तीमोथा
कीटमाता स्त्री० हंसपदी हंसराज	कुली स्त्री० फलकटैया
कुक्कुरं नपु० गनेरग्रंथपर्णिभेद	कुद्दारः पु० रक्तकचनार
कुंकुमः पु० कुंकुम, केशर	कुनाशक " जवासा
कुण्डली स्त्री गुर्च, रक्तकचनार	कुशः " कुश
कुरुविन्द; पु० मोथा	कूटजः " कुढा
कुटिलं नपु० तगर	कृमिघ्न " बाइविरँग
कुचन्दनं " यक पीतचंदन	कृमिघ्ना स्त्री० हल्दी
कुन्द पु० कुन्दुरगोंद	कृमिजँ नपु० अगर
कुन्दरु; " "	कृमिजग्धं नपु० अगर
कुकुन्दर " कुन्दर	कृष्णं " नपु० कालीमिर्च
कुलक " कुचला	कृष्णजीरक पु० कालाजीरा
कुपीलुः " "	कृष्णभेदा स्त्री० कुटकी
कुमारी स्त्री ग्वारपाठा भाभू, खसा	कृशोदरी " श्वेतसारवा
	कृष्णफला " वाकुची
कुम्भिका " कैफरा	कृमिघ्न नपु० देवदार
कुमुदिका " "	कृष्णा स्त्री तैतपापड़ा उरद-पर्णी
कुश्ररा " धाय के फूल	कृष्णावृन्ता " खम्भारि, पीलीपाढ़
कुस्तुम्यम् नपु० " "	कृष्णला " श्वेतगुञ्जा
कुञ्ची पु० कलौजी	कृशा " रोहिणी
कुरन्टी स्त्री० धना	कृतपालः पु० अमलतास
कुस्तुम्बुर पु० "	केशपर्णी स्त्री० रक्त चिरचिरा
कुञ्चिका स्त्री० मैथी	केशनामकं नपु० सुगंधवाला
कुटजवोज नपु० इन्द्रजौ	केशरः पु० नागकेशर
कुलीर विषाणिका स्त्री० काकड़ासिंगी	केशराजः " भमरा

केशी " माचिका
कैरवी " मैथी वनमैथी
कैरातः पु० चिरायता
कैवर्तक नपुः कैवर्तीमोथा
कोलः पु० स्त्री० पीपर बेर
कोलवल्ली स्त्री गजपीपर
कोकिलाक्षः पु० तालमखाना
कौरंगी स्त्री छोटी इलायची
कोटिवर्षालकः पु० पिंडशाक
कोविदारः " रक्तकचनार
कोर्ष्य स्त्री० विदारीकंद
क्रोडकसेरुकः पु० नागरमोथा
कोशातकी स्त्री० लौकी तुरई
कोलकः पु० शीतलचीनी
क्रोष्टुविन्ना स्त्री० पृष्टपर्णी
कौन्ती " रेणुकाबीज

ग

गण्डीरी स्त्री० मजीठ
गण्डारिः पु० श्वेतकचनार
गण्डाली स्त्री० गांठ दूर्वा सरहटी, गंडिनी
गण्डदूर्वा " गांठदूब
गणकारिका " ब्राह्मी
गन्धनाकुली " रास्नाभारि
गंधसारः पु० श्वेतचन्दन
गंधकुटी स्त्री० मूर्वा
गंधमूलिका " मेदाकचूर
गंधवधू " "
गंधपलासी " "
गंधकोकिला " सुगंधद्रव्य
गंधमालती " कुन्दुरु सुगंध
गंधर्वहस्तकः पु० श्वेत अंड
गंधाता स्त्री० असगंध
गंधारी " जवासा
गंजा " भाग
गर्दभा " श्वेत कटैया
गर्भनुत् " कलिहारी
गवादनी " इंद्रवारुणी
गवाक्षी " "
गरागदी " देवदाली
गंगेरुकी " गंगेरन, गुलशकरी
गिरभित " गेरू
गिरकर्णी " विष्णुक्रांता
गिरमल्लिका " कुडा
गिरसानुजा " त्रायमाण
गुटिः " छोटीइलायची
गुण्डाख्यं " नपु० सांभर नमक
गुन्द्रा " स्त्री० नागरमोथा
गुन्द्रफला " मालकाकुनी

गुच्छकं	नपु० ग्रन्थिपर्णी
गुडहासकः	पु० भटेउर, नैपाल-लीय व द्रव्यं
गुडूची	स्त्री० गिलोय
गुहा	" शालिपर्णी
गुडा	" सेहुँड
गुणरूप	पु० श्वेत आक
गुन्द्रा	पु० पटेरा
गुन्द्रमूला	स्त्री० मोथातृण
गुंद्रा	" "
गुञ्जावीजं	नपु० भूतृण
गृष्टिः	पु० विदारीकंद
गृहकन्या	स्त्री० ग्वारपाठा
ग्रन्थिमान्	पु० हरसिंगार
ग्रन्थिकं	नपु० पीपरामूर, ग्रंथिपर्णी
ग्रामीणा	स्त्री० नील
गोलोमी	" बच, श्वेत दूर्वा
गोरोचना	" गोरोचन
गोक्षुरा	पु० गुखरू
गोकंटक	" "
गोक्षुरकः	" "
गोपी	स्त्री० कृष्ण सारिवा श्वेत सारिवा
गोपवधू	" "
गोपा	" श्वेत सारिवा
गोपवल्ली	" "
गोजिह्वा	" बनगोभी
गोजिका	" "
गोभी	" "

घ

घंटापाटलिः	पु० घंटापारुल, सफेद पाठ
घंटा	स्त्री०शणपुष्पी, चिड्डुली
घ्राण दुःखदा	" नकछिकनी
घृतपूर्णकरंज	पु० कंजवोरा
घुणप्रिया	स्त्री० दन्ती छोटी
घुसृणं	नपु० कुंकुम, केसर
घुणवल्लभा	स्त्री० अतीस
घृतकुमारिकः	" ग्वारपाठा घीकुमारी

च

चक्रमर्दः	" चकवड़ पवांर
चक्र...रकं	" नपु० नख
चक्रलक्षिका	स्त्री० गुर्च-लक्ष्मणा
चक्रवर्तिनी	" पर्पटी, पद्माख
चक्षुष्यं	नपु० पमारपुण्डेरी
चक्षुवेष्टलः	पु० शरपत, रामशर
चक्रांगी	स्त्री० कुटकी
चक्राम्ला	" सुदर्शन
चक्री	पु० चकवड़
चण्डातः	" करवीर (कडेल)
चटका शिर	पु० स्त्री०पीपरामूर

चतुरुषणं नपु० त्रिकुटा, पीपरामूल
चतुरङ्गलः पु० अमलतास
चपला स्त्री० पीपल
चन्द्रशूरः " हालों
चन्दः " कथीला
चमरिकः " रक्तकचनार
चर्महंत्री स्त्री० हालों
चर्मकषा " थूहर सेहुड, भेद
चर्मकरी " रोहिणी
चर्मकरालुकः पु० बिदारीकंद
चविकाफलं नपु० गजपीपर
चन्द्रिका स्त्री० मेथी

छ

छर्दनः पु० स्त्री० मैनफल
छत्रा स्त्री० धना, सौंफ,
छत्रिका " सौंफ
छिक्कनी स्त्री० छिकनी
छिक्किका " "
छिन्ना " गुर्च
छिन्नरूहा " "
छिन्नोद्भवा " "
छिलिहिण्टः पु० पातालगरुड़ी

ज

जटा स्त्री० तरुमूल जटामांसी
जटिला " बच-जटामांसी
जतुः " पु० लाख
जतुका स्त्री० श्वेत पापड़ा
जतुकृष्णा " "
जतुकृत् " "
जतुकं नपु० हींग
जननी स्त्री० श्वेत पापड़ा पर्पटी
जननी " "
जम्बुक प्रियं नपु० भूतृण
जम्बु नाशनः " बाइबिरंग
जयः " अग्निमंथ
जया स्त्री० भाग, (जयतिया)
जयन्ती " इन्नी जयन्ती
ज्योतिष्मती " मालककुनी
जयपालः पु० जमालगोटा
ज्योतिष्कंठ " मालकाकुन
जलवेतसः " जलवेत
जलकामुका स्त्री० अर्कपुष्पी
जल कारिका " लज्जालु० लजवन्ती
जलपिप्पल " पनिसगा जल पीपर
ज्वरांतकः पु० चिरायता
जातिगंधफला स्त्री मैंथी
जातिकोशं नपु० जायफर
जातिपत्री स्त्री० जावित्री
जीमूतः पु० देवदाली
जीर्णपत्र " पठानीलोध

जीरकः	” सफेद जीरा
जीरणः	” ”
जीवन्ती	स्त्री हर्रे, गुर्च, शाकविशेष
जीवनी	” जीवन्तीशाक
जीवनीया	” ”
जीवः	पु० बकायन
जीवा	स्त्री० जीवन्तीशाक
	झ
झषा	स्त्री गंगेरन गुलशकरी
	ट
टुण्टुकः	पु० सोना पाठा
टंकणं	नपुं सोहागा
टंकारी	स्त्री० टंकारि
	ड
डिण्डीरः	पु० समुद्रफेन
	* त *
तगरं	नपुं तगर
तण्डुलः	पु० वायबिरंग
तंत्रिका	स्त्री० गुर्च
तनुत्वक्	पु० दारचीनी
तपस्वनी	स्त्री० जटामांसी, मुण्डी
तपोधना	” मुण्डी
तमालपत्रं	नपु० पत्रज
तरुणः	पु० सफेद अंड
तरुध्वज	” बांस

त्वचि सारः	” बांस
त्वक्सारक	” ”
त्वक्क्षीरी	स्त्री० बंशलोचन
वकपत्रं	नपुं० तेजपात
त्वक	पु० स्त्री० दालचीनी
त्वाष्ट्री	स्त्री० ब्राह्मी
ताम्बूलवल्ली	” पान
ताम्बूली	” ”
ताम्रपुष्पी	” पीलीपाठ
ताम्रपुष्पः	पु० रक्त कचनार
तामलकी	स्त्री० आवला मूसली
ताम्रपुष्पी	” धाय-धवईपुष्प
ताम्रः	पु० अरूसा
ताम्रचूडः	” कुन्दुरू
तार्क्ष्यशैलं	नपु० रसोत
तार्क्ष्यजं	” ”
तालमूली	,, स्त्री० मूसरकंद
तिक्तः	पु० नीव, कुटकी
तिंतिडीफलं	नपुं० जमालगोटा तिंतडीक
तिरीटः	पु० लोध
तिलपर्णी	नपुं० लाल चंदन
तीक्ष्णतंडुला	स्त्री० पीपर
तीक्ष्णगंधकः	पु० सहिंजन
तुंगा	स्त्री० बंशलोचन
तुगाक्षीरी	” ”
तुत्था	” नील, छोटीइलायची

तुरुष्कः	पु० शिलारस
तूरी	स्त्री० धतूरा
तूली	" नील
तेजनी	स्त्री० मूर्वा, दालचीनी
तेजनः	पु० रामशर
तेजस्वनी	स्त्री० दालचीनी तेजपात
तेजवती	" तेजवल
तेजाव्हा	" "
तैलपर्णं	न० ग्रंथिपर्णी
तैलपर्णिकः	पु० सफेद चंदन

द

दण्डहस्ती	पु० पिण्डतगर
दद्रुघ्नः	" चकवड़
दन्तबीज	न० जमालगोटा
द्रवन्ती	स्त्री दंती बड़ी
दर्भ	पु० कुश
दशमूलं	न० लघुबृहत् दोनों पंच मूल युक्त
दार्वी	स्त्री० दारु हल्दी आमा हल्दी
दार्वीन्द्रं	नपुं० देवदार
दार्विका	स्त्री० बनगोभी
द्राविणं	न० बिडनोन, कचूर
द्राविणी	स्त्री० छोटी इलायची
द्राक्षः	पु० ऋषभक, दाख
दारुभद्रः	" आमाहल्दी
दारुसिता	" स्त्री० दालचीनी
दारु	नपु० देवदार
दारुहरिद्रा	स्त्री० दारुहल्दी
दासपुरं	नपुं० कैवर्ती मोथा
दासी	स्त्री० काकजंघा
{ द्विजा	स्त्री रेणुका }
{ दिव्या	" ब्राह्मी }
दीपनी	" मेथी
दीप्यकः	पु० अजमोद, अजवाइन
दीप्या	स्त्री० अजवाइन
दीप्यका	" "
दीर्घजीरकः	पु० सफेद जीरा
दीर्घवृंत	" सोनापाठा
दीर्घफलः	" अमलतास
दीर्घपत्रा	स्त्री० शालिपर्णी (सरिवन)
दीर्घदंड	पु० सफेद जीरा
दीर्घपत्रा	पु० लहशन प्याज
दीर्घपत्रिका	स्त्री श्वेत पुनर्नवा
दीर्घाङ्गी	" शालिपर्णी
दुग्धिका	" दुधी
दुग्धगर्भा	" श्वेत सारिवा
दुग्धहा	" चिरचिरा
दुर्किलिम	न० देवदारु

दुर्गंधिः	पु०	प्याज
दुरालंभा	स्त्री०	धमासा
दुरालभा	,,	,,
दुःप्रधर्षिणी	,,	फल कटैया
दुःस्पर्शाः	,,	भटकटैया
दुःस्पर्शाः	पु०	कपिकच्छू
देवदारु	,,	देवदारु
देवकुसुम	न०	लौंग
देवधूपः	पु०	गूगर
देवी	स्त्री०	पिएडशाक मूर्वा
देवनिर्मिता	,,	गुर्च
देवदाली	स्त्री०	कड़ु तुरई
देवतांडी	,,	,,
देवता	,,	धतूरा
दैवजग्धं	नपु०	कंतृण
द्रेका	स्त्री०	बकाइन
दैत्या	,,	मूर्वा
द्रोणपुष्पी	,,	गूमा
द्रोणा	,,	,,

ध

धतूरः	पु०	धतूरा
धन्वयासः	,,	जवासा
धनहरः	,,	चोरकगन्धद्रव्य
धमनः	,,	नरकुल
धमनी	स्त्री०	नलिका
धर्मपत्तन	न०	कालीमिर्च

ध्वांक्षमाची	,,	काकमाची
ध्वांक्षनाशिनी	,,	हाऊबेर
धातुकी	,,	धाइपुष्प
धातुपुष्पी	,,	,,
धातुद्रावक	,,	सुहागा
धान्यं	न०	धना ध[illegible]
धान्यकं	,,	[illegible]र्ती
धान्यक	पु०	मोथा
धा[illegible]ा	स्त्री०	[illegible]
धनियकं	नपु०	[illegible]ार
धामार्गवः	पु०	ला[illegible]ीपाठ
धावनी	स्त्री०	भ[illegible]
धावनिगुडा	,,	पृष्ट[illegible]ाठा
धात्री	,,	आंव[illegible]
धात्रीपत्रं	नपुः	[illegible]
धीरः	पु०	[illegible]ी० उरदपर्णी
धीरं	नपु०	[illegible]णुका बीज
धीरा	स्त्री०	[illegible] पातालगरुड़ी
धुस्तूरः	पु०	[illegible] स्त्री० पाठा
धूमगंधिका	न[illegible]	पाठा
धूर्तः	पु०	कपिकच्छू
धेनुका	[illegible]	स्त्री खुरासानी अजवाइन
नकुलेष्टा	स्त्री	मालककुनी, काकजंघा
नखं	नपु०	नपु० कुष्ट
नखा	स्त्री०	[illegible]ा० फरहद
नघुष	नपु०	[illegible]

नटः	पु० मैनफल, सोना-पाठा
ते टी	स्त्री० नाड़ी शाक, नलिका
तेज	नपु: तगर
तेज ी	स्त्री० नाड़ीशाक
तेजवती	" "
तेजोव्हा	" नाइ, रास्नाभेद
तैलपर्णी	" "
तैलपर्णिकः	नपु० सोंठ
	" नागकेशर
दण्डहस्ती	पु० "
दद्रुघ्नः	" "
दन्तबीज	" "
द्रवन्ती	स्त्री० पान
दर्भ	स्त्री० पान
ददमूलं	" इस्री
दोनों	पु० चिरायता
दार्वी	स्त्री० भटकटैया
	नीब
दार्वीन्द्र	नपु० स्त्री० नाड़ी शाक
दार्विका	स्त्री० हल्दी
द्राविणं	न० भटेउर ग्रन्थ पर्णभेद
द्राविणी	स्त्री०
	पु० स्त्री० इलायची
	नपुः ग्रन्थिपर्णी
	पु० चिरायता

प

पटेरकः	पु० पटेरा
पट्टिकालोधः	" लोधपठानी
पट्टी	स्त्री "
पदरंजक	नपु० वक
पंचांगुला	पु० सफेद अंड
पंचकोलं	नपु: पीपर, पीपरामूर चाव, चीता, सोंठ समभाग
पतंग	" वक
पथ्या	स्त्री० हर्र
पद्मपत्रा	" कपूर हर्दी
पद्मपत्र	नपु: पोहकरमूल
पद्मा	स्त्री० वामनहाटी
पद्माटः	पु० चक्रमर्द चक्रवड़ के बीज
पद्मक	नपु० पद्माख
पद्मगन्धि	" "
पद्माह्वय	नपु० "
पयस्विनी	स्त्री० बिदारीकंद जीवशाक
पयस्या	" अर्कपुष्पी
प्लीहहन्त्री	" हाऊवेर
पर्जन्या	" दारुहल्दी
पर्जनी	" "
पर्पटकः	पु० पित्तपापड़ा
पर्पटः	" "

प्रहयकास्वष्ठा स्त्री माचिका
प्रवालफलं नपु० लाल चंदन
प्रवरं ,, अगर काला
प्रतीयशः पु० सफेद आक
प्रपौण्डरीकं नपु० पुण्डेरी,
प्रतापनी स्त्री० गंधप्रसारिणी
प्रतिविषा ,, अतीस
प्रत्यकपर्णी ,, दन्ता बड़ी,
चिरचिरा लाल
प्रकीर्यः पु० कँज
प्रपुन्नाट ,, चक्रमर्द,
चकबड़ के बीज
प्रसारिणी स्त्री० गन्धप्रसारिणी
पसरन, खीप
प्रहारवल्ली ,, रोहिणी
परिव्याधः पु० जलवेतस
परिपेलवं नपु० तालीस
कैवर्ती मोथा
पृथ्वी स्त्री० कलौंजी
पृथ्वी का ,, ,, बड़ी इलायची
हिंगुपत्री
प्रथुक ,, ,, हिंगुपत्री
प्रथुशिम्वः पु० सोनापाठा
प्रथकपर्णी ,, पृष्ठपर्णी
प्रथु ,, हिंगुपत्री
प्रथुपलाशिका स्त्री० गंधपलाशी
प्रथुकृष्णा ,, कलौंजी
पृष्टिपर्णी ,, पृष्टिपर्णी

पलँकषा ,, लाख, गूगर, गुखुरू
पलांडु पु० प्याज
पलाशी स्त्री० गंधकपलाशी
पवनेष्टः पु० लहसन
पशुमेहनकारिका स्त्री० चंद्रशूर
पत्रं नपु० एलुबालक पत्रज
पत्रनामकं ,, पत्रज
पत्राढ्यं नपु० तालीस कैवर्ती
मोथा
पार्क ,, तिलवण
पाकक्षारः पु० जवाखार
पाटला स्त्री० पीलीपाठ
पाटलिः पु० ,,
पाठा स्त्री० पाठा
पाठिका ,, पाठा
पांडुरद्रुम पु० कुढ़ा
पांडुलीमशपर्णी स्त्री० उरदपर्णी
पाण्डुपुत्री ,, रेणुका बीज
पातालगरुणाव्हः पु० पातालगरुड़ी
पापचेलिका स्त्री० पाठा
प्राचीना ,, पाठा
प्रावृषायणी ,, कपिकच्छू
पारसीकयवानी स्त्री खुरासानी
अजवाइन
पारावतपदी ,, मालककुनी,
काकजंघा
पारिभाव्यं नपु० कुष्ट
पारिजातकः पु० फरहद

पारिभद्रः " मन्दारभेद
पार्थिर्दी " स्त्रीकाला निशोत
पांशुपर्य्यायः " पु० पित्तपापरा
पांशुलवणं " नपु० रेहनमक
पाषाणभेदकः पाथर चूर
पिका " स्त्रो० पिंडशाक
पिचुमर्दः " पु० नीव
पिचुमंद " "
पिंड " मैनफल
पिंडीतकः " "
पिंडा स्त्रो० वंशपत्री
पिप्पली " पीपर
पिप्पलीमूलं नपुः पीपरामूर
प्रियंगु " पु० मालकाकुन
प्रियकरो स्त्री० सफेद कटैया
प्रिया " गँधप्रियंगु
पिशुनं न० कुंकुम
पीठ पु० चित्रक
पीतदारु " दारुहल्दी
पीतदुग्धा स्त्री० चौक
पीतवृक्षः पु० स्निग्ध देवदारु
पीतपुष्पः " सहदेवी
पीतकं न० कुंकुम
पीतरोहिणी स्त्री० गम्भारी
पीताभं न० पीलाचन्दन
पीता स्त्री० दारुहल्दी हल्दी

पीलुपर्णी " मूर्वा
पीवरी " शितावर, शालिपर्णी
पुनर्नवा " श्वेतपुनर्नवा
पुन्नाट " चक्रमर्द चकवड़ के बीज
पुरः पु० गूगर
पुष्करमूल न० पोहकरमूल
पुष्करम् " "
पुष्पवल्ला स्त्री हाऊवेर
पूतना " हर्र
पूतिका पु० कंज
पूतिकरजः " "
पूतिफली स्त्री० वाकुची
पोटगलः पु० नलसर नरकुल कांस
पौंडरीकं न० पुंडेरी
पौंडर्य्य " "
पौष्करम् " पौहकरमूल

फ

फञ्जी स्त्री० वामनहाटी
फेनः पु० समुद्रफेन
फलत्रिकं नपुः त्रिफला
फलिनी स्त्री० प्रियङ्गु, मालकाकुन
फलेरुहा " पीलीपाठ पाटल
फलेपुष्पा " गूम

ब

वधू	स्त्री	गंध पलासी मेढ़ाकचूर
वंध्याकर्कोटी	”	वाभूखसा ककोराकन्द
ब्रह्मदर्भा	”	अजवाइन
ब्रह्मकुशा	”	अजमोद
ब्रह्माण्डूकी	”	ब्राह्मी
ब्रह्मसुदुर्लभा	”	हुरहुरा; रक्त
बलभद्रः	“	त्रायमाना
बत्या	”	गंधप्रसारिणी
बलामोटा	”	नागदमनी
ब्राह्मण यष्टिका		भारङ्गी
ब्राह्मणी	”	रार, पिण्डशाक
ब्राम्ही	”	ब्राह्मी
बहुपत्रिका	”	मेथी
बहुबीजा	”	”
बहुपर्णी	”	बनमेथी
बहुपुष्पी	”	धाय
बहुला	”	बड़ी इलायची
बहुमूलकं	”	न० वीरणकंद उशीर
बहुसुता	”	स्त्री० शितावर
बहुफला	”	आंवला आलुबुखारा
बहुपत्रा	”	आंवला आखुकर्णी
बहुवीर्या	”	”
बामपुष्पी	”	स्त्री० चन्द्रशूर
बालपूतिका	”	माचिका

वालम्	नपु०	सुगन्धवाला
वालकं	”	”
वालार्कः	पु०	श्वेत आक
वाह्लिका	स्त्री०	मछेछी
बोधिनी	”	मैथी

भ

भंगरा	स्त्री०	अतीस
भंडी	”	मजीठ
भंडोरी	”	”
भंडीतकी	”	”
भद्रयवः	पु०	इन्द्र जौ
भद्रः	”	सफेद चंदन
भद्रमुंजं	”	सरपत
भद्रमुस्ता	स्त्री०	नागरमोथा
भद्रपर्णी	स्त्री०	गंभारी, गंधप्रसारिणी
भद्रा	”	चंद्रशूर कैफरा गंधप्रसारिणी
भद्रवती	”	कैफरा
भद्रैला	”	बड़ी इलायची
भृगुभवा	स्त्री०	भारङ्गी
भृङ्गमं	नपु०	तेजपात
भृङ्गराजः	पु०	भमरा
भृङ्गरजः	”	”
भृङ्गारः	”	”
भल्ली	स्त्री०	भिलावा
भल्लातकः	पु०	भिलावा
भस्मगंधा	स्त्री०	रेणुका

भार्गवी ” नील दूर्वा
भिक्षु: पु० तालमखाना
भिन्नपांजनी ” स्त्री०पाषाण-भेद, गेरू
भिषक्माता ” अरूसा
भीरु पु० शितावर
भुजङ्गाक्षी स्त्री० नाइ,रास्ना-भेद
भूकदम्बिका ” मुण्डी
भूनिम्ब: पु० चिरायता
भूतजटा स्त्री० जटामांसी
भूतृणं नपु० भूतृण कत्तृण
भूतीकं ” रोहिषतृण,भूतृण
भूरिफेना स्त्री० थूहर, सेहुण्ड भेद

म

मफूलक: पु०स्त्री० दंतीछोटी
मंगल नाम धेया स्त्री० जीवशाक
मंगल्या ” वच गोरोचन
मंजिष्ठा ” मजीठ
मंजूषा ” ”
मंडूकपर्णी ” ”
मंडली ” गुर्च
मत्स्यगंधा ” हाऊबेर
मत्स्यशकला ” कुटकी
मत्स्यपित्ता ” ”
मत्स्याक्षी ” गांठ दूर्वा मछेछी

मन्था ” मैंथी
मन्थपार्क नपु० कालानमक
मदन: पु० मैनफल, धतूरा
मन्दार: ” श्वेत आक
मधुरा स्त्री० सौंफ, मैंथी
मधुपर्णिका ” नील, गंभारी
मधुपर्णी ” गुर्च
मधुपूती ” पीलीपाठ
मधुरसा ” गम्भीरी
मधुश्रवा ” जीवशाक
मधूकपर्णी ” पु० सोनापाठा
मधूलिका ” स्त्री मोरेठी
मयूरविदला” माचिका
मयूरक: ” पु० विरचिरा
मयूर: ” अजमोद
मृगनाभि ” कस्तूरी
मृगमद: ” कस्तूरी
मृगादिनी स्त्री० इन्द्रवारुणी
मृगाक्षी ” ”
मृगैवारू: ” ”
मर्कटी ” कंजी दोंदिया चिरचिरा
मरिचं नपु० मिर्च
मरुम्याली पु० पिंडशाक
मरुबक: ” मैनफल
मल्लिकापुष्प ” कुटा

म्लेच्छकन्दः " लहसन
मलयजः " पु० सफेद चन्दन
मस्कर " बांस
मस्तदारु " नपु० देवदारु
मसूरविदला " स्त्री कालानिशोत
महती " स्त्री० भटकटैया
महाकुसुम्भिका गम्भारी
महासहा " उरदपर्णी
महामोही " पु० धतूरा
महानिम्ब " बकायन
महाबला " स्त्री० सहदेवी
महाशतावरी ,, महाशितावर
महाफला " इन्द्रवारुणी
महाश्रावणिका ,, मुण्डी
महिषाक्षः " पु० गूगर
महिलाह्वया " प्रियंगु
महोदरी " स्त्री० महाशितावर
महौष्धी " भठकटैया
महौषधं नपु० सोंठ, लहसन
मागधी स्त्री० पीपर
माणिमन्थं नं० सेंधानमक
मातुलानी स्त्री भांग
मातुलः पु० धतूरा
मातुल पुत्रकः ,, धतूरे का फल
मालती फलं नपु० जायफर
मालव पु० लहसन
मालूरः ,, बेल
मालातृणकं नपु० भूतृण

माषपर्णी स्त्री० उरदपर्णी
मासरोहिणी " रोहिणी
मिथिनी " मैथी
मिश्रपुष्पा " मेथी
मिश्रेया " स्त्री सोवा
मिसि " पु० सोंफ सोया
मुकुन्दः " मुकुन्द गेरू
मुखदूषकः " प्याज
मुग्दपर्णी " मुग्दपर्णी
मुञ्जः " मूंज
मुञ्जातकः " "
मुण्डविका " स्त्री० मुण्डी
मुण्डी " "
मुष्क " पु० सफेदपाठ
मुस्तं स्त्री० मौथा
मुस्तकं नपु० ,,
मुस्तावत पु० कैवर्तीमोथा
मोचकः ,, सहजना
मोघा स्त्री० पीलीपाठ
मोक्षकः ,, सफेदपाठ

य

यवसाह्वया स्त्री० अजवाइन
यवन देशजः पु० शिलारस
यवनेष्ट ,, प्याज
यवफल ,, कुठ
यवं ,, नपु० इन्द्रजौ
यष्टीमधु ,, न० मोरेठी
यष्टीमधुक ,, ,,

यष्टी	स्त्री० मोरेठी
यवक्षारः	पु० जवाखार
यवाग्रजः	,, ,,
यवानिका	स्त्री० अजवाइन
यवासः	,, पु० जवासा
यक्षधूपः	,, रार
यज्ञभूषण	,, कुश
यावः	,, लाख
यासः	,, जवासा
याम्य	,, कूट
यावशूकः	,, जवाखार
युक्तरसा	स्त्री० रासना
युगपत्रकः	पु० रक्तकचनार
योगजं	नपु० अगर
योगेश्वरी	,, स्त्री० ककोराकन्द
योजनवल्ली	" मजीठ
योषित्प्रिया	" हल्दी

र

रक्तम्	नपु० कुंकुम
रक्ताङ्गी	स्त्री० मजीठ
रक्ताङ्गम्	नपु० लालचंदन, कवीला
रक्त चंदन	" "
रक्तयष्टिका	स्त्री० मजीठ
रक्तसारम्	नपु० बक पतंग
रखना	स्त्री० श्वेतपापड़ा
रंजन	न० वक पतंग
रसगर्भम्	नपु० रसोत
रसना	स्त्री० वाइसुरई
रस्या	" "
रसा	" "
रसायनी	" मजीठ
रसांजन	नपु० रसोत
रसाम्लं	" चूक
रसोन	" लहसन
रसोनकः	पु० लहसन
राजपुत्री	स्त्री० रेणुकाबीज
राजवृक्षः	पु० अमलतास
राजार्ह	नपु० अगर
रामठं	हींग
रामसेनक	पु० चिरायता
रालः	" रार
रास्ना	स्त्री० वायसुरई
रोगाव्हयं	नपु० कूट
रोहिणी	स्त्री० हर्र, कुटकी
रौमकं	नपु० सांभरनमक

ल

लघु	नपु० उशीरवत पीत वर्ण तृण
लघुपंचमूल	" शालिपर्णी, पृष्ठपर्णी दोनों कटेली, गुखुरू
लज्जालु	पु० लजवंती
लता	स्त्री० मालकाकुन, पियंगु
लतालघुः	पु० पिण्डशाक
लवंग	नपु० लौंग

लयं	" उशीरवत पीत वर्ण तृण
लशुनः	पु० लहसुन
लक्ष्मणाः	स्त्री० सफेदकटैया
लांगुली	" कलिहारी
लामज्जकं	नपु० उशीरवत पीतवर्ण तृण
लाक्षा	स्त्री० लाख
लाक्षाप्रसादनः	पु० पठानी लोध
लोध्र	" लोध
लोमशा	स्त्री० बच
लोहं	नपु० अगर
व	
वरवर्णिनी	स्त्री० हल्दी
वज्रद्रुमः	पु० सिहुँड़ा
वज्रांगी	स्त्री० हरसिंहार
वज्री	" सिहुँड़ा
वटपत्र	" वटपत्री
वत्सकः	पु० कुड़ा
वत्सादिनी	स्त्री० गुर्च, कलिहारी
वदरा	" असगंध, हुरहुरा
वधू	" पिण्डशाक
वनजः	पु० तुम्बुरफला
वनिता	स्त्री० मेंहदी
वनशृंगाटक	" गुखरू
वन्हिज्वाला	स्त्री० धायफूल
वन्हिशिखं	नपु० कुंकुम
वन्ध्या	स्त्री० गोरोचन
वन्दा	" वंदा पेड़ों पर एक वृक्ष होता है
वन्दाकः	पु० "
व्यङ्गा	स्त्री० कौंचबीज
वयस्था	" गुर्च, कलिहारी, हर्र
व्याधिघात	पु० अमलतास
व्याघ्रनखं	नपु० नख
व्याघ्रयुधं	" "
व्याघ्री	स्त्री० भटकटैया
व्याघ्रपुच्छः	पु० लालअंड, सफेदअंड़
व्याल	" चित्रक
व्योषः	" त्रिकुटा
व्यामपौरम	नपु० कतृण
वृत्तकोषः	" देवदाली
वृत्तफलः	" लाल चिरचिरा
वृत्ता	स्त्री० रोहिणी
वृद्धं	नपु० भूरिछरीला
वृषभः	पु० ऋषभक
वृष	" अरूसा
वृष्या	" कपिकच्छू
वृषकेतुः	" लालपुनर्नवा
वृहतपंचमूल	नपु० बेल, सोना, पाठा, गंभारी, पीलीपाठ, अग्निमंथ सहित

बृहती स्त्री भटकटैया
बृहत्पत्र पु० लोध
बृहदेला स्त्री बड़ी इलायची
वृत्तकः पु० कुठ
वृत्तभद्रया स्त्री चन्दा
वृत्तरुहा " "
वृत्तादिनी " "
वृत्तामयः पु० लाख
वृत्तधूपकः " सरल का गोंद, गूगरभेद
वर्द्धमावः " सफेद अंड
बर्हिणम् " नपुः पिण्डतगर
वर्हिष्ठम् " सुगन्धवाला
बर्हिः " पु० थूहर ग्रन्थिपर्णी भेद, कुश
बर्ह " "
वरतिक्तका " स्त्री पाठा
वरदा " असगन्ध
बरतिक्तः पु० पित्तपापड़ा
वरम् नपु० कुंकुम
वरा स्त्री० त्रिफला
वराङ्गम् नपु० तेजपात
वराहवदना स्त्री विदारीकन्द
वराहकर्णी " असगन्ध
वरी " शितावर, दन्ती बड़ी
वल्लरी " मैंथी
वंशलोचना " वंशलोचन

वँशजा " "
वंशक्षीरी " "
वंशपत्री " वंशपत्री
वँश " पु० वांस
वशिरः नपु० स्त्री गजपीपर समुद्रफेन
वंशिकं नपुः अगर
वसिर पु० लालचिरचिरा
वसुकः " सफेद आक
वस्त्र रंजनी " स्त्री मजीठ
वस्त्र रंजक " पु० कुंकुम
वहिवक्ताः " स्त्री० ललिहारी
वाजनामादिः " पु० असगंध
वाजिदंता " स्त्री० अरूसा
वाट्या " स्त्री० वरिआरा
वट्यालिका " "
वाट्यालका " "
वाणः पु० मूंज, सरपता
वातारिः " लालअंड, सफेद अंड
वाथँ नपु० कूट
वायसी " स्त्री० काकमाची, करंजी
वाराहांगी स्त्री० दन्ती छोटी
वारिदनामकं नपु० मोंथा
वारुणी स्त्री० इन्द्रवारुणी
वार्ताकी " फलकटैया

वाल्हीकँ नपु० हींग, कुंकुम
वालेयँ " कैवर्तीमोथा
वाशिका स्त्री० अरूसा
वास्थिशृंखला " हरसिंहार
वासकः पु० अरूसा
वासा स्त्री० "
वांसी " वंशलोचन
विकशा " रोहिणी
विकसा " मजीठ
विकीरण पु० सफेद आक
विक्षीरिणी " दुधी
विजया " भांग, हर्र
विडँ नपु० विडनोन
वायविरंग
वितुन्नकं कैवर्ती मोथा, धना
विदारिगंधा स्त्री० शालपर्णी
विदुलः पु० वेंत, थूहर, सेंहुड़ाभेद
विदारी स्त्री० विदारीकन्द
विद्रुमलता " नीलका
विभीतकः पु० बहेरा
विमला स्त्री० थूहर, सेहुँड़ाभेद
विल्वः पु० वेल
विश्वक सेनाङ्गना स्त्री०
गंधप्रियंगु
विश्वा नपु० सोंठ
विशल्या स्त्री० दन्तीछोटी,
गुर्च, कलिहारी

विश्वभेषजं नपु० सोंठ
विश्व स्त्री० सोंठ, अतीस
विशाला " इन्द्रवारुणी
विषघ्नी " हाऊवेर
विषपुष्यका पु० मैनाफल
विषनाशिनी स्त्री० नाइ, रास्ना
भेद
विषकंटकिनी " वांझ ककोड़ाकंद
विषमुष्टिक पु० वकाइन
विष्णुकांता स्त्री० लताविशेष
विषा " अतीस
विषाणी " मेढ़ासिंगी,
ऋषभक
विषापहा " नागदमनी
वीरवल्ली " रोहिणी
वीरणं " नपु० वीरणकंद
वीरतरु " पु० "
वीरं " नपु० वीरणकन्द
वीरवृक्षा " पु० भिलावा
वेणी " स्त्री० देवदाली
वेणु " पु० बांस
वेतसः " पु० वेत
वेदमुख्या स्त्री० कस्तूरी
वेल्लजं नपु० कालीमिर्च
वेल्लम् " वाइविरँग
वैजयन्तिका स्त्री० इन्नी
वैणवी वंशलोचन

श		श्रीः	” सफेदचन्दन
शक्रपुष्पी	स्त्री० कलिहारी	श्रीखँड	” नपु० ”
शक्रशाखी	” कूट	श्रीवासः	पु० सरल का गोंद
शकुलादिनी	कुटकी, जलपीपर	श्रीवेष्टः	” ” वेरोजा
शकुलाक्षकः	पु० गांठ दूर्वा	श्रीप्रसूतकं	नपु० लोंग
शंखपुष्पी	शंखपुष्पी	श्रीसंज्ञं	” ”
शंखाव्हा	” ”	श्रीफलः	” बेल
शटी	स्त्री कचूर	श्रीपर्णी	स्त्री० गम्भारी इन्नी
शठी	” कपूरकचरी दारु-हल्दी	श्रीपर्णिका	” जायफल
शणपुष्पी	” चिहुल शनपुष्पी	श्रीफली	” नील
शतपुष्पा	” सौंफ	श्रवणशीर्षका	” मुण्डी
शतपर्विका	” वच	श्रवणाव्हया	” ”
शतकुंभाः	” पु० सफेदकड़ेल	श्रावणी	” ”
शतपर्वा	बांस	श्रेयसी	” हर्र, गजपीपर, बाय सुरई
शतफली	” बांस	शरः	पु० रामशर, सरपत
शतपर्विका	” नीलदूर्वा	शरपुखः	,, सरफोंका
शतवल्ली	” ”	शरी	स्त्री० मोंथीतृण
शतवीर्या	” श्वेतदूर्वा शितावर	शल्यकः	पु० मैनफल
शतपदी	” शितावर	श्यामक	नपु० रोहिषतृण
शतमूली	” महाशितावर	श्यामा	” गंधप्रियंगु
शताव्हा	” सोंफ	श्येनेष्टा	स्त्री० दन्तीछोटी
शंपाकः	पु० अमलतास	श्योनाकः	पु० सोनापाठा
शमीपत्रा	” लजवंती	श्वादिष्टा	स्त्री० गुखरू
शृंगवेरा	” स्त्री, पटेरा	श्वेतपुष्पा	स्त्री० नागपुष्प
शृंगवेर	नपु० अदरक, सोंठ	श्वेतपुष्पं	नपु० निर्गुण्डी
शृंगी	स्त्री काकड़ासिंगी, अतीस	श्वेतमरिचं	,, सहिंजनाके बीज
		श्वेतपुष्पः	पु० सफेद आक,

सफेद कड़ैल
श्वेतमूला ,, श्वेत पुनर्नवा
शष्पं नपु० नीलदूर्वा
शाकंभरीयं ,, साम्हरिनमक
शाकश्रेष्ठा ,, जीवशाक
शाण्डिल्य ,, बेल
शातला स्त्री० थूहर, सेहुँड़ भेद
शारदी ,, जल पीपर
शारिवा ,, अनन्तमूल
शालनिर्यासः पु० राल
शालपर्णिका स्त्री० मूर्वा
शालिपर्णी ,, सरिवन
शालीनः पु० सौंफ
शालेयं ,, ,,
शावरः ,, लोध्र
शिलाटिका स्त्री० लालपुनर्नवा
शिलापुष्पा नपु० लोवान, भूर छरीला
शिव ,, सेंधानमक
शिवा स्त्री० हर्र,आमला आलु
शिविः ,, मोथातृण
शिग्रुः पु० सेंजना
शीत्रा स्त्री० दंतीछोटी
शीतं नपु० सेंधानोंन
शीर्णरोमं ,, ग्रन्थपर्णी

शुकनासः पु० सोनापाठा
शुकं नपु० ग्रंथपर्णीभेद
शुकवम् ,, ,,
शुकपुष्पं ,, ,,
शुकच्छदं ,, ,,
शुक्लकन्दा स्त्री० अतीस
शुक्लं नपु० चूक
शुक्लपर्ल ,, लाल आक
शुकाम् ,, कैवर्तीमोथा
शुण्ठी स्त्री० सोंठ
शुभा ,, वंशलोचन
शुभ्रा ,, ,,
शूकशिम्बी ,, कोंचबीज
शूनमध्य पु० नरकुल
शेफाली ,, निर्गुण्डी
शैलूष पु० बेल
शैलेयं नपु० भूर छरीला लोवान
शोणपुष्पकः पु० कचनार
शोणिताभिध नपु० कुंकुम
शोथघ्नः पु० लालपुनर्नवा
शोथघ्नी स्त्री० श्वेतपुनर्नवा
शोफकृत त्रि० भिलावा
शोभाञ्जनः पु० सेंजना
शोषणः ,, सोनापाठा
शौण्डी स्त्री० पीपर

ष

षड्ग्रंथा स्त्री० वच, गंधप-

लासी कंजी
षड्रूषणं नपु० सोंठ, मिर्च, पीपर
पीपरामूर, चव चीता समभाग

स

संकोचं नपु० कुंकुम
सदापुष्प पु० श्वेत आक
स्पृक्का " पिण्डशाक
स्फोटा " स्त्री० श्वेतसारिवा
स्फोटः " पु० रक्तआक
सगा स्त्री० लजवती, मजीठ
समगंधिकं नपु० उशीर वीरणमूल
समस्तका स्त्री० अजमोद
समंतदुग्धा " सेहुँड़ा
समुद्रफेनः पु० समुद्रफेन
समुद्रान्ता स्त्री० जवासा, कपास
स्नुक " सेहुड़ा
स्नक " पिण्ड शाक
सर्जरस पु० शर
सर्पाङ्गी स्त्री० नाइ रास्नाभेद
सर्पाची सरहरी
सर्वरस पु० राल
सर्वानुभूत स्त्री० श्वेतनिशोत
सरणी स्त्री० गंधप्रसारिणी
सरलस्रावः पु० सरलका गोंद
सरलः पु० स्निग्ध देवदार-
श्वेत निशोथ
सरस्वती स्त्री० ब्राह्मी

सलोहिता स्त्री सैंजनके बीज
स्वर्जिका " सज्जी
स्वल्पकेशरी रक्तकचनार
वर्णभूषणः पु० अमलतास
स्वर्णकः पु० अमलतास
स्वर्णवल्ली स्त्री० स्वर्णवल्ली
स्वाद्वी " दालचीनी
स्वाद कंटक पु० गुखुरू
स्वादपर्णी स्त्री० दुधी
स्वर्णाङ्ग पु० अमलतास
स्थूलदर्भा " मूंज
स्थूलवल्कलः पु० पठानीलोध
स्थूला स्त्री० बड़ीइलायची
संहिता " सौंफ
सहदेवी ,, सहदेवी
सहस्रवेधि नपु० हींग, चूक
सहसभित पु० कस्तूरी
सहस्रवीर्या स्त्री० महाशिता-
वर, नीलदूर्वा
सहस्रा ,, माचिका
सहस्राह्विः ,, मोरसिखा
सहा ,, मुग्धपर्णी
सागरनं नपु० समुद्रफेन
सातला स्त्री० थूहर, से-
हुँड़भेद
सानजः पु० तुम्बरफल
सामुद्रनं नपु० समुद्रफेन

सारा स्त्री० थूहर, सेहुँड़ भेद
सारणी ,, गंधप्रसारिणी
सारिवा स्त्री० अनन्तमूल
सावरः पु० लोध्र
सिता स्त्री० विदारीकंद, शकर
सिताभ्रः पु० कपूर
सितछत्रा ,, सौंफ
सिन्दुकः " निर्गुण्डी
सिन्दुवारः " "
सिन्दुवारकः " "
सिल्हिकः " शिलारस
सिंहतुण्डः " सिहुँड़ा
सिंहपुच्छी स्त्री० पृष्टपर्णी
सिंहपर्णः पु० अरूसा
सिंहास्या " "
सिंहिका स्त्री० "
सिंही " फल कटैया
सुवर्चिकः पु० सज्जी
सुगंधं नपु० भूतृण
सुगन्धः पु० कालाजीरा शिलारस, कुन्दरगोंद
सुगन्धम् नपु० ग्रंथपर्णीभेद
सुगन्धिः " एलबालक
सुगन्धा स्त्री० रास्ना, श्यामशारिवा

सुदर्शना " सुदर्शन
सुधा " सेहुँड़ा
सुनालं नपु० उशीरघतपीत वर्ण तृण
सुपीर्णिका स्त्री० वाकुची
सुभिक्षा " धाय
सुमेखलः पु० मूंज
सुरसा स्त्री० रास्ना, नाह
सुरभी " कपूर हल्दी
सुरतारका " "
सुरंग नपु० वच
सुरभूरुहः पु० देवदारु
सुरभिदारुकः " स्निग्धदेवदार
सुरभिः " मूर्वा
सुरभितः स्त्री० कपूरहल्दी
सुलोमशा " काकजंघा
सुवर्चला " हुरहुरा
सुवहा " नाइ, निर्गुण्डी
सुवृता " गंधद्रव्य गंधपलासी
सुपवी " कलौंजी
सुषिरा " नलिका
सुषेणिका " काला निशोथ
सूच्यग्रः पु० कुश
सूर्यपर्णिका स्त्री० मुग्धपर्णी, माषपर्णी

सूर्यभक्ता " हुरहुरा
सूर्यवर्ता " "
सूक्ष्मपत्रः पु० "
सूक्ष्मा स्त्री० छोटी इलायची
सेव्यं नपु० उशीरवीरणतृण
" " उशीरवतपीतवर्ण तृण
सेहुण्डः पु० सिहुँड़ा
सोमवल्ली स्त्री० गुर्च,वाकुची
सोम्या " शालिपर्णी
सोमवल्कः पु० घोराकुंज
सोमक्षीरी स्त्री० सोमलता
सोमराजी " वाकुची
सोमा " गुर्च
सौगन्धिकं नपु: कतृण, रोहिवतृण
सौभाग्यँ " सुहागा
सौमलता स्त्री० सोमलता
सौमवल्ली " "
सौरः पु० तुम्बरुफल (तेज वलफल)
सौरभः " "
सौवर्चलँ नपु: कालानोन

ह

हञ्जिका स्त्री ० रार
हरविलासिनी नखी
हनुः नु० "
हयपुच्छिका स्त्री० उरदपर्णी
हरिद्रा " हल्दी
हरिद्रः पु० दारुहल्दी
हरिचन्दनं नपु० चन्दन पीला (पतँग)
हरिप्रियं " "
हरिवालुकम् " एलुवालुक (एलुवा)
हरिविग्रहा " स्त्री० धमासा
हरीतकी " हर्र
हृद्रविलासिनी " हल्दी
ह्रस्वगर्वेधुका " कुलरु करीगँगेरन
हलदी स्त्री० हल्दी
हलिनी स्त्री० कलिहारी
हवुषा स्त्री० हाऊवेर
हस्ति वारुणी " कंजी आदि
हंसपदी " हंसपदी, हंसराज
हंसपादी " "
हिंगु पु० हींग
हिंगुनिर्यासः " नील
हिंगुली स्त्री० भटकटैया
हिंगुपत्री " हिंगुपत्री
हिंगुसवारिका " वंशपत्री
हिज्जलः पु० इजल

हिमवालुकः	स्त्री० कपूर
हिमनाम	नपु० कपूर
हिमावती	स्त्री० चौक
हीरा	" गम्भारी
ह्रीबेरं	नपु० सुगन्धवाला
हेतुः	पु० महाशितावर
हैमक्षीरी	स्त्री० चोक, सत्यानासी, बंगकटेरी
हैमाव्हा	" "
हेमवती	" हरं चौक (बंगकटेरी)

क्ष

क्षारः	पु० यवक्षार, जवाखार
क्षारद्रव्यं	नपु० सज्जी, जवाखार
क्षाराष्टकं	" ढांक, अपामार, चिरचिरा, आक, थूहर, यवसज्जी, सुहागा
क्षारत्रयं	" सोहागा, जवाखार सज्जी
क्षीरवल्ली	स्त्री० विदारीकंद
क्षीरयुक्ता	" "
क्षीरा	" दुधी
क्षुद्रचंदनं	नपु० लालचंदन
क्षुद्रपत्रः	पु० डाभ
क्षुद्रघंटाकी	" कटैया छोटेफल
क्षुद्रभद्रा	" भटकटैया
क्षुद्रवर्षाभू	" लाल पुनर्नवा
क्षुद्रा	" भटकटैया
क्षुरः	पु० तालमखाना
क्षुरकाः	पु० गुखरू; तालमखाना
क्षेत्रदूतिका	" सफेद फूलवाली कटैया

त्र

त्र्यूषणं	नपु० त्रिकुटा
त्रायमाना	स्त्री० त्रायमाण
त्रायन्ती	" "
त्रिकुटः	पु० त्रिकुटा
त्रिकण्टः	" गुखरू
त्रिकण्टक	स्त्री० "
त्रिजातं	नपु० दालचीनी, इलायची, पत्रज
त्रिपर्णी	स्त्री० शालिपर्णी
त्रिपुटा	" श्वेत निशोथ
त्रिपादिका	" हंसपदी, हंसराज
त्रिवृता	" श्वेत निशोथ
त्रिवृता	" "
त्रिष्वफला	" आम्बला

* इति *

अनुभूत योगमाला ग्रन्थमाला द्वारा प्रकाशित

उत्तमोत्तम पुस्तकें।